बाल भारती पब्लिक स्कूल

गंगा राम अस्पताल मार्ग

दिल्ली - 110060

24 मार्च 2020

अभिभावकों के लिए सन्देश

प्रिय अभिभावक

कोई भी मनुष्य स्वयं में एक पूरा द्वीप नहीं हैं
प्रत्येक महाद्वीप का एक टुकड़ा है
मुख्य का केवल एक हिस्सा.....

प्रसिद्ध तत्वमीमांसा कवि जॉन डोन की कविता, फॉर द बेल द बेल टोलस से यह निष्कर्ष वर्तमान समय की वास्तविकता को बताता है, जो पूरी मानव जाति की पहचान को चुनौती देती है |

पूरी दुनिया वास्तव में भय की पीड़ा की स्थिति में है | जाहिर तौर पर सरल लेकिन भयानक कोरोना वायरस किसी भौगोलिक सीमा या वर्ग ,और जाति भेद नहीं जानता है| यह चुपके से घातक रूप में हमला करता है | इसके दुष्प्रभाव से बच पाना व्यक्तिगत प्रतिरोधक क्षमता पर निर्भर करता है | भारत में एडवाइजरी जारी करने सहित पहले केंद्र द्वारा और साथ ही राज्य सरकार द्वारा इस वायरस के प्रसार को रोकने का प्रयास किया गया है , इससे पहले कि स्थिति पूरी तरह से निकल जाए ||

यह देखते हुए कि माता-पिता बच्चों के पहले शिक्षक हैं और बच्चों के लिए रोल मॉडल है , मुझे विश्वास है कि आप सब ईमानदारी से नियमों का पालन कर रहे होंगे |

घर की सीमाओं के भीतर रहना, सामाजिक दूरी बनाए रखने का अभ्यास करना, उपयुक्त रूप से हाथ और चेहरे की स्वच्छता का पालन करना , बुजुर्गों की रक्षा करना , कोविड - 19 के विनाशकारी प्रभाव को रोकने के लिए रामबाण के रूप में सुझाव दिया जा रहा है।

बच्चों को इन प्रथाओं का पालन करने में आप का अनुकरण करना चाहिए | यह कार्य उन्हें भविष्य में भी अवश्य अच्छे स्थान पर खड़ा करेगा |

इस वायरस के बारे में अच्छी तरह से स्थापित है और अक्सर दोहराया जा रहा है कि एक व्यक्ति की लापरवाही या आम दृष्टिकोण असंख्य व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित कर सकता है| इसीलिए यह समय की आवश्यकता है कि हम बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी और करुणा के सही दृष्टिकोण को विकसित करें | हम वर्तमान और हमारी पिछली पीढ़ियों की उस क्षति को पहले जैसा करें , जिससे पृथ्वी ग्रह की भलाई हो सके | मेरा आग्रह है कि हम सभी को दुनिया को फिर से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय बनाने के लिए सहयोग करना चाहिए|

उसके लिए हमें व्यक्तिगत उदाहरणों के माध्यम से इस सुन्दर और अनोखे ग्रह के भावी उत्तराधिकारियों का मार्गदर्शन करना होगा | उन्हें दयालुता , निःस्वार्थता , जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने के लिए सीख देनी होगी |

भयानक कोरोना वायरस के बावजूद यह पृथ्वी ग्रह , मनुष्य सहित इसकी सभी प्रजातियों के अस्तित्व को बनाए रखना सुनिश्चित करेगा |

आइए हम सोशल मीडिया से न तो घबराएं और न ही असत्यापित जानकारी को आगे भेजें। हालांकि, आइए हम उचित सलाह का पालन करने और वायरस के प्रसार को रोकने की प्रतिज्ञा करें ... मैं बच्चों की हंसी के संगीत के साथ स्कूल जाने, उनके सबक सीखने और असंख्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए तत्पर हूं।

एक साथ, हम कर सकते हैं, अगर हम चाहते हैं - कोरोना वायरस से हमारी कीमती दुनिया को पुनः प्राप्त करने और मानवता को बचाने के लिए।

हमें जीने दो और जीने दो ...

आपके और आपके परिवार के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना के साथ

लक्ष वीर सहगल
प्रधानाचार्य